

प्रेषक,

पी0सी0 शर्मा
प्रमुख सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक
राजकीय नागरिक उड्डयन विभाग
उत्तराखण्ड, वी0आई0पी0 हैंगर,
जौलीग्रान्ट एयरपोर्ट, देहरादून।

परिवहन एवं नागरिक उड्डयन अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 13 अगस्त, 2010

विषय- सहस्त्रधारा हैलीपैड परिसर में कार्यालय भवन, रिटायरिंग रूम, सुरक्षा कर्मियों हेतु डोरमेटरी, टायलेट ब्लॉक, वाच टावर, पैड टाईल्स एवं लैण्ड स्केपिंग निर्माण कार्य हेतु प्राप्त आगणन की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या 42/रा0ना0उ0/स0घ0हैलीपैड/2009 दिनांक 22-4-2009 तथा पत्र संख्या 1954/रा0ना0उ0/हैलीपैड/01/2009 एवं पत्र संख्या 2334/रा0ना0उ0/ई0-4/2010 दिनांक 19 मार्च, 2010 तथा शासनादेश संख्या 177/IX/ना0उ0/2008 दिनांक 27 मार्च, 2008 एवं शासनादेश संख्या 62/IX/हैली0/2009/45/2009 दिनांक 27 मार्च, 2009 के क्रम में प्रश्नगत हैलीपैड में उपरोक्त शासनादेशों से स्वीकृत कार्यों के अतिरिक्त प्रस्तावित किये गये कार्यों के लिए गठित स्थल निरीक्षण समिति की संस्तुति के आधार पर परियोजना प्रबन्धक, उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम इन्दिरा नगर, देहरादून के द्वारा गठित आगणन की प्रति संलग्न कर प्रेषित करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद देहरादून के अन्तर्गत सहस्त्रधारा हैलीपैड परिसर परिसर में कार्यालय भवन, रिटायरिंग रूम, सुरक्षा कर्मियों हेतु डोरमेटरी, टायलेट ब्लॉक, वाच टावर, पैड टाईल्स एवं लैण्ड स्केपिंग कार्य हेतु रु० 75.10 लाख (रुपये पचहत्तर लाख दस हजार मात्र) के आगणन के सापेक्ष टी0ए0सी0 द्वारा संस्तुत रु० 61.20 लाख (रुपये इकसठ लाख बीस हजार मात्र) की लागत के आगणनों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए वर्तमान वित्तीय वर्ष 2010-11 में इतनी ही धनराशि आपके निर्वर्तन पर रखते हुए व्यय की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- 1- प्रस्तावित कार्यों से हैलीड्रॉम में हैलीकाप्टर के उड़ान क्षेत्र में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो तथा निर्माण कार्य की प्रगति के साथ-साथ उड़ान क्षेत्र के मददेनजर समन्वय भी रखा जाय।
- 3- निर्माण कराते समय दिनांक 16-12-2009 को स्थल निरीक्षण समिति एवं एवियेशन कन्सल्टेंट की आख्या का अनुपालन सुनिश्चित करते हुये ही निर्माण कार्यों को सम्पादित कराया जाय। उक्त निरीक्षण आख्याओं की प्रतियां संलग्न हैं।
- 4- उक्त धनराशि कार्यदायी संख्या को रेखांकित बैंक ड्राफ्ट अथवा कोषागार चैक के माध्यम से किया जायेगा।
- 5- निर्माण कार्य कराते समय नियमानुसार उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन किया जायेगा। निर्माण एजेन्सी से कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व शासनादेश सं० 475/XXVII(7)/2008, दिनांक 12-12-2008 की व्यवस्थानुसार मानक एम0ओ0यू0 निष्पादित कर लिया जायेगा।
- 6- कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।

क्रमशः...2...

- 7- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- 8- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए जितनी राशि स्वीकृत की गयी है। आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गयी है उसी मद पर व्यय किया जाय। एक मद का दूसरी मद में कदापि व्यय न किया जाय।
- 9- एक मुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व, विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाए।
- 10- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्येनजर रखते हुए एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- 11- कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता (कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्य स्थल का भली-भाँति निरीक्षण अवश्य का लिया जाए, तथा निरीक्षण के पश्चात् दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाए।
- 12- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाए।
- 13- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनदेश संख्या 2047/xiv-291(2006) दिनांक 30-05-2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- 14- जी0पी0डब्लू0 फार्म-09 की शर्तों के अनुसार निर्माण ईकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण ईकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
- 15- इस सम्बन्ध में व्यय विवरण तथा आवश्यक वाउचर आदि सुरक्षित रखे जायेंगे।
- 16- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल तथा वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियम निर्देशों तथा अस्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम अधिकारी की स्वीकृति हो उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- 17- धनराशि का व्यय करते समय मितव्ययता सम्बन्धी नियमों का पालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 18- स्वीकृति की जा रही धनराशि का दिनांक 31-03-2011 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा यदि दिनांक 31-03-2011 तक कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे शासन को समर्पित कर दी जायेगी। यह भी कि यदि दिनांक 31-03-2011 तक भूमि की व्यवस्था नहीं होती तथा कार्य प्रारम्भ ही नहीं होता तो धनराशि समर्पित कर दी जायेगी।
- 19- कार्य के निर्माण के सम्बन्ध में वित्त विभाग द्वारा निर्गत शासनादेश दिनांक 05-04-04 का अनुपालन किया जायेगा।
- 20- कार्य अनुमोदित आगणन की सीमान्तर्गत ही करायें, किसी भी दशा में पुनरीक्षित आगणन/अतिरिक्त धनराशि की स्वीकृति प्रदान नहीं की जायेगी।
- 21- कार्यदायी संख्या/ईकाई द्वारा निर्दिष्ट मदों/कार्यों के अतिरिक्त किसी भी प्रकार की मद को परिवर्तित नहीं किया जायेगा।

22- कार्यदायी संस्था को आवंटित कार्य को निश्चित समय सीमा में पूर्ण कराया जाना होगा कार्य की गुणवत्ता में कमी, कार्यों में शिथिलता एवं समयबद्धता के लिये सम्बन्धित निर्माण ईकाई पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।

23- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2010-11 के अनुदान संख्या-24 के आयोजनागत पक्ष के लेखाशीर्षक 5053-नागर विमानन पर पूँजीगत परिव्यय-02-विमानन-00-योजनागत-800-अन्य व्यय-08-देहरादून में हैलीपैड एवं हैंगर का निर्माण-24-वृहद निर्माण कार्य के नामों डाला जायेगा।

24- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 229/xxvii(2)/2010 दिनांक 09 अगस्त, 2010 प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(पी0सी0 शर्मा)

प्रमुख सचिव

संख्या 193(1)/EX/2010/10/2010 उत्तराखण्ड

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- महालेखाकार (आडिट) उत्तराखण्ड, वैभव पैलेश, सी-1/105 इन्दिरानगर देहरादून।
- 2- महालेखाकार, उत्तराखण्ड (ए एण्ड ई) ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड देहरादून।
- 3- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल देहरादून।
- 4- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री को मा0 मुख्यमंत्री जी के अवलोकनार्थ।
- 5- स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- प्रमुख सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- प्रमुख सचिव, नियोजन, उत्तराखण्ड शासन।
- 8- जिलाधिकारी देहरादून।
- 9- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 10- मुख्य अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 11- परियोजना प्रबन्धक, पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम देहरादून को टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षण किये गये आगणन की प्रमाणित फोटोप्रति एवं स्थल निरीक्षण की प्रतियों सहित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु इस निर्देश के साथ कि योजना की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का लक्ष्य निर्धारित कर निदेशालय एवं शासन को अवगत कराये।
- 12- वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
- 13- एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 14- गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(पी0सी0 शर्मा)

प्रमुख सचिव।